THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

# गठिया का उपचार
# Arthritis—healed

www. spirituality.com

Author - Susan Domowitz
31st January 2007

हम लंडन में एक लंबे तथा तंग नगर भवन में रहते हैं, और जब सीढ़ियों के ऊपर चढ़ने और नीचे उतरने में कठिनाई बढ़ती गई, तब मैं जान गई कि मुझे सहायता की ज़रूरत है।

कई महीनों से मैं एक घुटने में अकड़न, सूजन तथा दर्द महसूस कर रही थी तथा पहले मैंने इस के बारे में ज़्यादा नहीं सोचा था। अब एक क्रिश्चियन सायँस उपचारक से प्रार्थना के द्वारा सहायता माँगने का समय आ गया था। अगले कई महीनों में दर्द और चलने में दिक्कत के साथ बीच–बीच में आराम भी था।

एक दिन दर्द असहनीय हो गया तथा मैं अपने कार्यालय में चिकित्सक को मिलने गई। डाक्टर ने जो कहा वह दर्द से भी कहीं ज़्यादा निराशाजनक था। उसने कहा कि यह गठिया की तरह लगता है, तथा घोषणा की कि यह "वैसे ही नहीं जाएगा" – कि यह धीरे–धीरे अधिक खराब होता जाएगा तथा वह इसके लिए ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता था।

सहानुभूति के साथ, उसने मुझे एक गिलास पानी के साथ कुछ दर्द निवारक गोलियाँ दीं। मैं इतने दर्द में थी कि मैं ने उन्हें ले लिया।

गोलियों का बिल्कुल असर नहीं हुआ और सच कहूँ तो मैं निराश हो गई। मैं उस दोपहर कुछ आराम की उम्मीद कर रही थी; चाहे कुछ देर के लिए ही सही।

## मैंने क्रिश्चियन सायँस द्वारा स्थायी उपचार प्राप्त करने का निश्चय कर लिया

अपने स्वयं के अनुभव द्वारा मैं यह जानती थी कि क्रिश्चियन सायँस उपचार करती है तथा मैंने यह महसूस किया कि अगर मैं मदद के लिए भौतिक हल ढूंढ रही थी तो मैं गलत दिशा में देख रही थी। इसलिए तब और वहीं मैंने क्रिश्चियन सायँस द्वारा स्थायी उपचार प्राप्त करने का निश्चय कर लिया।

मैं उपचारक के साथ प्रार्थना करने के लिए सम्पूर्ण हृदय से वापिस गई तथा अपनी **परमेश्वर*** द्वारा दी गई सम्पूर्णता के बारे में अधिक और अधिक जानते हुए। परन्तु यह सब धीरे–धीरे हो रहा था। अब मैं चलने के लिए एक छड़ी का प्रयोग कर रही थी तथा सबसे साधारण कार्यों को करने में भी लगभग असमर्थ महसूस कर रही थी।

---

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

*For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com*

Translation © 2011 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

मैं विशेष तौर पर उदास थी अपने परिवार के साथ इंगलैंड के ग्रामीण क्षेत्र में सैर को याद करके जो कि मेरे सबसे अधिक प्रिय कामों में से एक है।

जब मुझे मेरे कार्य से स्कॉटलैंड में कई हफ्तों के लिए जा कर एक विषम मीडिया संचालन की व्यवस्था करने के लिए कहा गया, मुझे पता नहीं चल रहा था कि मैं यह काम कैसे कर पाँऊगी। मुझे याद है, मैं ग्लासगो में अपने होटल के कमरे में बैठ कर उपचारक के साथ फोन पर बात कर रही थी। उन्होंने इशारा किया कि निर्बलता का परमेश्वर के कानून के साथ कोई मेल नहीं है।

## मैं जीवन का आयुरहित प्रतिबिम्ब हूँ।

अगले कुछ दिनों में जब हम कठिन स्थलों का दौरा करने गए, मैंने सचमुच इस कथन पर ध्यान दिया, मैं इस तथ्य के साथ जुड़ी रही कि परमेश्वर का रूप होने के नाते मैं एक आध्यात्मिक आयुरहित अस्तित्व हूँ – जीवन का आयुरहित प्रतिबिम्ब – न कि निराश नश्वर। मैं जानती थी कि निर्बलता में मत परमेश्वर द्वारा दी गई मेरी प्रसन्नता को कभी भी मिटा नहीं सकता न ही मुझे परमेश्वर, दिव्य प्रेम से अलग कर सकता है।

अपने घुटने के उपचार की उम्मीद के परे देखना महत्त्वपूर्ण था तथा इस के बदले बढ़ती आयु के मत और उसके साथ आने वाले विकार का विरोध करना। अपने दिनचर्या तथा वार्तालाप में त्रुटि पर सत्य से विजय प्राप्त करने की ज़रूरत के लिए मैं सजग हो गई।

फिर मैं उम्मीद कर सकती थी कि मेरी बेकर ऐडी ने "सत्य तथा प्रेम के साथ एक–मन–में होने में हमारा हिस्सा" किसे संबोधित किया। मैंने हर कदम परमेश्वर की अच्छाई के लिए धन्यवाद करके उठाने का निश्चय किया।

कुछ दिनों के बाद, असीम प्रसन्नता के साथ मैंने यह महसूस किया कि दर्द जा चुका था। मैंने स्कॉटिश पहाड़ी पर सुबह की सैर करते हुए एक सुन्दर दृश्य के साथ जश्न मनाया। कोई पुर्न–स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया नहीं थी – न ही पुरानी अक्षमता का कोई निशान था – मैं बिल्कुल मुक्त थी। मैं स्कॉटलैंड में अपना कार्य पूरा कर पायी तथा घर आ कर दुबारा से अपने सक्रिय जीवन में वापिस आ कर आनन्द मनाया।

## बीमारी में मत द्वारा मूर्ख न बनने के लिए मैंने दृढ़ निश्चय किया।

यह इस गवाही का अंत होना चाहिए, परन्तु ऐसा नहीं हुआ। कुछ महीनों के बाद मुझे दर्दनाक सूजन शुरू हो गई, परन्तु इस बार यह दूसरे घुटने में थी। इस ने मुझे यह दिखाया कि यह सारा मत कितना बेतुका था तथा दुबारा मूर्ख न बनने के लिए मैंने दृढ़ निश्चय किया।

परमेश्वर की ओर पलटने पर, मैंने स्वंय पर दया तथा निराशा को नकार दिया। मुझे अपने पुराने अनुभव से यह पता था कि कुछ भी मुझे अपने बारे में परमेश्वर की सम्पूर्ण रचना के सत्य को देखने से नहीं रोक सकता।

Translation © 2011 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

कुछ ही दिनों में मेरी सोच में मेरे घुटने के बारे में यह माँगा हुआ दण्ड मिट गया तथा मैं अब और सदा के लिए मुक्त थी। अब इस उपचार को एक साल से भी ऊपर हो चुका है तथा मैंने अपने परिवार के साथ पहाड़ी पर कठिन चढ़ाई वाली छुट्टियाँ साथ ही साथ अपने कार्य स्थल पर एक घण्टे में चल कर जाने में पूर्ण गतीशीलता का आनन्द लिया।

पीछे देखने पर सबसे अधिक प्रभावशाली विचारों में से एक, जो उपचारक ने मेरे साथ बांटा वह था कि "उपचार रहस्योद्घाटन है"। मैं सोचती थी उपचार सुधार करने की तरह है – तुम एक बटन वापिस सीते हो और तुम्हारा काम खत्म– जब तक दूसरा बटन निकल न आए। परन्तु मैंने खोज निकाला कि असली उपचार रहस्योद्घाटन होना है जो पहले से होता है तथा सदा सच होता है – कि हम परमेश्वर, आत्मा के प्रिय आध्यात्मिक प्रतिबिम्ब हैं।

मैंने खुशी मनाई कि निर्बलता किसी के लिए भी कानून नहीं है, कभी भी नहीं तथा यह कि सभी के लिए सम्पूर्णता, स्वतंत्रता तथा समन्वय विश्वव्यापी, शाश्वत कानून है।

---

परमेश्वर के साथ एक होना

---

**सायँस एण्ड हैल्थ**

21:1 – 4

21:4 – 5

**किंग जेम्स् बाइबल**

उत्पत्ति 1 : 27

Translation © 2011 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.